CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 06 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

परियोजना शिक्षा का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। इसे तैयार करने में किसी खेल की तरह का ही आनंद मिलता है। इस तरह परियोजना तैयार करने का अर्थ है-खेल-खेल में बहुत कुछ सीख जाना। यदि आपको कहा जाए कि दशहरा पर निबंध लिखिए, तो आपको शायद उतना आनंद नहीं आएगा। लेकिन यदि आपसे कहा जाए कि अखबारों में प्राप्त जानकारियों के अलावा भी आपको देश-दुनिया की बहुत सारी जानकारियाँ प्रदान करती है। यह आपको तथ्यों को जुटाने तथा उन पर विचार करने का अवसर प्रदान करती है। इससे आप में नए-नए तथ्यों के कौशल का विकास होता है। इससे आपमें एकाग्रता का विकास होता है। लेखन संबंधी नई-नई शैलियों का विकास होता है।

आप में चिंतन करने तथा किसी पूर्व घटना से वर्तमान घटना को जोड़कर देखने की शक्ति का विकास होता है। परियोजना कई प्रकार से तैयार की जा सकती है। हर व्यक्ति इसे अलग ढंग से, अपने तरीके से तैयार कर सकता है। ठीक उसी प्रकार जैसे हर व्यक्ति का बातचीत करने का, रहने का, खाने-पीने का अपना अलग तरीका होता है। ऐसा निबंध, कहानी कविता लिखते या चित्र बनाते समय भी होता है। लेकिन ऊपर कही गई बातों के आधार पर यहाँ हम परियोजना को मोटे तौर पर दो भागों में बाँट सकते। हैं-एक तो वे परियोजनाएँ, जो समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाती हैं और दूसरी वे, जो किसी विषय की समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार की जाती हैं।

समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाने वाली परियोजनाओं में संबंधित समस्या से जुड़े सभी तथ्यों पर प्रकाश डाला जाता है। और उस समस्या के निदान के लिए भी दिए जाते हैं। इस तरह की परियोजनाएँ प्रायः सरकार अथवा संगठनों द्वारा किसी समस्या पर कार्य-योजना तैयार करते समय बनाई जाती हैं। इससे उस समस्या के विभिन्न पहलुओं पर कार्य करने में आसानी हो जाती हैं। किंतु दूसरे प्रकार की परियोजना को आप आसानी से तैयार कर सकते हैं। इसे 'शैक्षिक परियोजना' भी कहा जाता है। इस तरह की परियोजनाएँ तैयार करते समय आप संबंधित विषय पर तथ्यों को जुटाते हुए बहुत सारी नई-नई बातों से अपने-आप परिचित भी होते हैं।

i. परियोजना क्या है? इसका क्या महत्व है? **(2)**

ii. परियोजना किस प्रकार तैयार की जा सकती है? यह कितने प्रकार की होती है? **(2)**

iii. परियोजना हमें क्या-क्या प्रदान करती है? **(2)**

iv. शैक्षिक परियोजना क्या है? **(2)**

v. हम परियोजना को मोटे तौर पर कितने भागों में बाँट सकते हैं? **(1)**

vi. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
    a. अ + तिरिक्त
    b. अति + रिक्त
    c. अत + रिक्त
    d. अत्य + रिक्त
3. 'स' उपसर्ग युक्त शब्द हैं -
    a. सन्मित्र, संहार
    b. सहित, सपरिवार
    c. सञ्चालन, सम्मान
    d. सच्चरित्र, सन्मार्ग
4. 'सजावट' और 'लिखावट' में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
    a. सज + आहट, लिख + आहट
    b. सजाव + वट , लिखा + वट
    c. सज + आवट , लिख + आवट
    d. सजाना + आवट, लिखाना + आवट
5. 'कुलीन' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
    a. कुल + ईन
    b. कु + ईन
    c. कु + लीन
    d. कुली + इन
6. 'नीलगाय' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
    a. नील गाय - समास विग्रह
       द्विगु समास - समास का नाम
    b. नीली है जो गाय - समास विग्रह
       कर्मधारय समास - समास का नाम
    c. गाय नीली - समास विग्रह
       द्वंद्व समास - समास का नाम

    d. नीली है जो गाय - समास विग्रह
       बहुव्रीहि समास - समास का नाम

7. साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
    a. साफ़ होने वाला - समास विग्रह
       कर्मधारय समास - समास का नाम
    b. सफाई के अनुसार - समास विग्रह
       द्वंद्व समास - समास का नाम
    c. जितना साफ हो - समास विग्रह
       अव्ययीभाव समास - समास का नाम
    d. बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह
       अव्ययीभाव समास - समास का नाम

8. 'सात सौ दोहों का समूह' समास विग्रह का उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।
    a. सतसई - समस्त पद
       द्विगु समास - समास का नाम
    b. सत्तसमूह - समस्त पद
       बहुव्रीहि समास - समास का नाम
    c. सत्तपद - समस्त पद
       कर्मधारय समास - समास का नाम
    d. सातसाईं - समस्त पद
       द्वंद्व समास - समास का नाम

9. 'पीताम्बर' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
    a. पीत अंबर - समास विग्रह
       तत्पुरुष समास - समास का नाम
    b. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह
       अव्ययीभाव समास - समास का नाम
    c. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह
       बहुव्रीहि समास - समास का नाम
    d. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह
       कर्मधारय समास - समास का नाम

10. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों की संख्या ________ है।
    a. आठ
    b. दस
    c. छह

d. सात

11. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए - " उसने कोई उपाय नही छोड़ा। "

a. आज्ञावाचक

b. निषेधवाचक

c. विधानवाचक

d. इच्छावाचक

12. जिन वाक्यों में किसी से कोई बात पूछी जाए, उन्हें ________ वाक्य कहते हैं।

a. संकेतवाचक वाक्य

b. संदेहवाचक वाक्य

c. प्रश्नवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

13. जिन वाक्यों से कार्य के होने में संदेह या सम्भावना का बोध हो, वे कहलाते हैं -

a. संदेहवाचक वाक्य

b. सम्भावनावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. सन्देशवाहक वाक्य

14. जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. श्लेष

c. उपमा

d. अनुप्रास

15. शब्दालंकार के प्रमुख कितने भेद हैं?

a. चार

b. दो

c. पाँच

d. तीन

16. जब किसी शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो, हर बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो। वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. श्लेष

17. कोई विशिष्ट शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त करे, तो वहां कौन-सा अलंकार होता है ?

a. श्लेष

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. यमक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

पाँवों में केनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों पर की लोहे की पतरी निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं। दाहिने पाँव को जूता ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है। मेरी दृष्टि इस जूते पर अटक गई है। सोचता हूँ- फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी? नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है।

i. लेखक ने प्रेमचंद के जूतों के बारे में क्या लिखा है?

ii. लेखक क्या सोचता है?

iii. प्रेमचंद साहित्य की दुनिया में किस रूप में प्रसिद्ध है?

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली ने तत्कालीन प्रधानमंत्री से जो कुछ रहा उसका उन पर क्या असर हुआ?

b. लेखक ने अपने यात्रा-वृत्तांत में तिब्बत की भौगोलिक यात्रा का जो चित्र खींचा है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

c. लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो। हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

d. दढ़ियल के साथ जाते हीरा-मोती को अन्य जानवर स्वार्थी क्यों नजर आ रहे थे?

e. पाठ प्रेमचन्द के फटे जूते में **टीले** शब्द का प्रयोग किन संदर्भो को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

क्या गाती हो?
क्यों रह-रह जाती हो?
कोकिल बोलो तो!
क्या लाती हो?
संदेशा किसका है?
कोकिल बोलो तो!
ऊँची काली दीवारों के घेरे में,
डाकू, चोरों, बटमारों के डेरे में,
जीने को देते नहीं पेट-भर खाना,
मरने भी देते नहीं, तड़प रह जाना!
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?

हिमकर निराश कर चला रात भी काली,

इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

i. कवि कहाँ रहकर कोयल से बातें कर रहा है और क्यों?

ii. पराधीन भारत की जेलों में स्वाधीनता सेनानियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था?

iii. कोयल की कूँक में कवि संदेश होने का अनुमान क्यों लगा रहा है?

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. बंद द्वारा की साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है?

b. कबीर द्वारा रचित पदों का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

c. कवि जेल के आसपास अन्य पक्षियों का चहकना भी सुनता होगा लेकिन उसने कोकिला की ही बात क्यों की है?

d. भाव स्पष्ट कीजिए- कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।

e. सवैये में जिस प्रकार ब्रजभूमि के प्रति प्रेम अभिव्यक्त हुआ है, उसी तरह आप अपनी मातृभूमि के प्रति अपने मनोभावों को अभिव्यक्त कीजिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. कवि के लिए बच्चों का काम पर जाना चिंता का विषय क्यों बन गया है? बच्चे काम पर जा रहे हैं? कविता के आधार पर लिखिए।

b. मेरे संग की औरतें पाठ के अनुसार लेखिका ने अपनी नानी को कभी भी नहीं देखा फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे क्यों प्रभावित थीं?

c. माटी वाली का कंटर (कनस्तर) ढक्कन विहीन क्यों होता था?

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **लोकतंत्र और चुनाव** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- लोकतंत्र से तात्पर्य
- चुनाव का महत्त्व
- सही प्रतिनिधि के चुनाव से लोकतंत्र की रक्षा

b. **ई-कचरा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- ई-कचरा से तात्पर्य
- चिंता का कारण
- निपटान के उपाय

c. **शारीरिक शिक्षा और योग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

24. छात्रावास में रहने वाला आपका मित्र पैसों का अपव्यय करता रहता है। इससे उसका आहार-विहार और चरित्र प्रभावित हो रहा

है। उसे यह आदत त्यागने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

OR

आपके मित्र को कुछ गलत लड़कों के साथ रहने की आदत पड़ गई है। इस कारण वह पान मसाला खाने लगा है। इससे होने वाली हानियों से अवगत कराते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

25. किसी प्राइवेट स्कूल में नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य होने वाले संवाद को लिखिए।

OR

प्रदूषण की समस्या पर चिंता प्रकट करते हुए आकाश और नितिन के मध्य होने वाले संवाद को लिखिए।

26. **नारी का संघर्ष** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

यदि मैं पुस्तक होती विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 - Hindi A

Sample Paper 06 (2020-21)

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. गद्यांश के आधार पर हम कह सकते हैं कि परियोजना नियमित एवं व्यवस्थित रूप से स्थिर किया गया विचार एवं स्वरूप है। इसके द्वारा खेल-खेल में ज्ञानार्जन तथा समस्या-समाधान आदि की तैयारी की जाती है।

   ii. परियोजना कई प्रकार से तैयार की जाती है। हर व्यक्ति इसे अपने ढंग से तैयार कर सकता है।
   परियोजनाएँ दो प्रकार की होती हैं-
   - समस्या का निदान करने वाली परियोजना,
   - विषय की समुचित जानकारी देने वाली परियोजना।

   iii. परियोजना हमें हमारी समस्याओं का निदान प्रदान करती है तथा देश-दुनिया की बहुत सारी जानकारियाँ प्रदान करती है। साथ-ही-साथ यह हमको नए-नए तथ्यों को जुटाने तथा उन पर विचार करने का अवसर भी प्रदान करती है।

   iv. शैक्षिक परियोजना में संबंधित विषय पर तथ्यों को जुटाते हुए, चित्र इकट्ठे करके एक स्थान पर चिपकाए जाते हैं। इनसे नई-नई बातों की जानकारी दी जाती है।

   v. हम परियोजना को मोटे तौर पर दो भागों में बाँट सकते हैं ।

   vi. शीर्षक-परियोजना का स्वरूप।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) अति + रिक्त

   Explanation: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।

3. (b) सहित, सपरिवार

   Explanation: 'सहित' और 'सपरिवार' में 'स' उपसर्ग हैं और मूल शब्द क्रमशः 'हित' और 'परिवार' हैं ।

4. (c) सज + आवट , लिख + आवट

   Explanation: 'सजावट' और 'लिखावट' शब्द में 'सज' और 'लिख' क्रमशः मूल शब्द हैं और दोनों में ही 'आवट' प्रत्यय है।

5. (a) कुल + ईन

   Explanation: 'कुलीन' शब्द में 'कुल' मूल शब्द है और 'ईन' प्रत्यय है।

6. (b) नीली है जो गाय - समास विग्रह
   कर्मधारय समास - समास का नाम

   Explanation: इसका समास विग्रह नीली है जो गाय होगा और समास कर्मधारय है क्योंकि यहाँ विशेषण - विशेष्य का संबंध है।

7. (d) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह
   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

Explanation: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।

8. (a) सतसई - समस्त पद

    द्विगु समास - समास का नाम

    Explanation: यहाँ पूर्व पद (सप्त) संख्यावाची विशेषण है इसलिए यहाँ द्विगु समास होगा।

9. (c) पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

    बहुव्रीहि समास - समास का नाम

    Explanation: समास विग्रह का अन्य अर्थ निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।

10. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 (आठ) भेद हैं ।

11. (b) निषेधवाचक

    Explanation: 'नही' का प्रयोग निषेधवाचक वाक्य में किया जाता है ।

12. (c) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: जिन वाक्यों में बात या प्रश्न पूछा जाए, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

13. (a) संदेहवाचक वाक्य

    Explanation: संदेह व संभावना को संदेहवाचक वाक्यों द्वारा व्यक्त किया जाता है।

14. (d) अनुप्रास

    Explanation: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

15. (d) तीन

    Explanation: शब्दालंकार के प्रमुख तीन भेद हैं -अनुप्रास ,यमक और श्लेष I

16. (a) यमक

    Explanation: यमक। जैसे - काली घटा का घमंड घटा। (घटा- बादलों की घटा, कम हुआ) 'घटा' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।

17. (a) श्लेष

    Explanation: श्लेष I जैसे- मंगन को देखि पट देत बार-बार है। (पट- दरवाजा, पट-वस्त्र) 'पट' शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त कर रहा है I

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. लेखक ने प्रेमचंद के जूतों के बारे में बताया है कि उनके पाँवों में केनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने के कारण बंद के सिरों पर लगी हुई लोहे की पतरी निकल गई है और छेदों में बंद आसानी से नहीं डल पा रहे हैं। दाहिने पाँव का जूता ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद होने के कारण अँगुली बाहर निकल आई है।

    ii. लेखक सोचता है कि प्रेमचंद की फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी? हालाँकि थोड़ी देर में उसे यह बात समझ में आ जाती है कि इस आदमी के पास फोटो खिंचाने और घर में पहनने के लिए अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी क्योंकि इस आदमी की नज़र में पोशाक का कोई महत्व नहीं है |

    iii. प्रेमचंद साहित्य की दुनिया में उपन्यास सम्राट, युग प्रवर्तक के रूप में प्रसिद्ध है।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली को प्रकृति और पर्यावरण दोनों से ही गहरा लगाव था। वे केरल की साइलेंट वैली को रेगिस्तानी हवा से बचाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से मुलाकात कर उन खतरों का उनसे वर्णन किया। चौधरी चरण सिंह गाँव की मिट्टी से जुड़े नेता थे। उन्होंने गाँवों से जुड़े रहकर अपनी राजनीति की थी। उन्हें पर्यावरण तथा प्रकृति के प्रति गहरी चिंता थी। पर्यावरण के प्रति सालिम अली की चिंता किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से नहीं जुड़ी थी। पर्यावरण के प्रति उनकी ऐसी चिंतातुरता तथा पर्यावरण के प्रति संभावित खतरों के प्रति दूरदर्शिता को प्रधानमंत्री ने महसूस किया। इन सब बातों का ध्यान आते ही चौधरी चरण सिंह की आँखें नम हो गईं।

b. तिब्बत भारत के उत्तर में स्थित पर्वतीय प्रदेश है। यहाँ के रास्ते बड़े ही दुर्गम हैं। ये रास्ते घाटियों से घिरे हुए हैं। यहाँ की जलवायु ठंडी है। यहाँ सर्दी अधिक पड़ती है। एक ओर दुर्गम चढ़ाई है तो दूसरी ओर गहरी-गहरी खाइयाँ हैं। चढ़ते समय जहाँ सूरज माथे पर रहता है वहीं उतरते समय पीठ भी ठंडी हो जाती है। इसके एक ओर बर्फ से ढकी हुई हिमालय की चित्ताकर्षक चोटियाँ हैं तो दूसरी ओर बर्फरहित भूरी पहाड़ियां। पहाड़ियों के मोड़ बड़े ही खतरनाक हैं। इन स्थानों पर डाकुओं का भय रहता है।

c. हीरा के कथन से लेखक का स्त्री जाति के प्रति सम्माननीय दृष्टिकोण का पता चलता है। ज्ञात होता है कि उस समय समाज में स्त्रियों की स्थिति अच्छी नहीं थी। पुरुषों द्वारा उनका शोषण किया जाता था। सामाजिक नियमों के अनुसार स्त्रियों को शारीरिक दंड देना अनुचित है। लेखक स्त्रियों की प्रताड़ना का विरोधी है। वह नारियों को पूजनीय मानता है और साथ ही वह स्त्री पुरुष की समानता का पक्षधर है।

d. दढ़ियल के साथ जाते समय हीरा-मोती ने देखा कि गाय-बैलों का झुंड प्रसन्नतापूर्वक हरे-भरे खेत में चर रहा है। वे सब बड़े ही सुखी लग रहे थे | उन्हें लग रहा था कि हम उनके ही भाई हम बधिक के हाथ पड़े हैं। हमारी जान तो अब गई समझो | यहाँ किसी को भी इसकी चिंता नहीं थी, इसलिए उन्हें अन्य जानवर स्वार्थी नज़र आ रहे थे।

e. 'टीले' का शाब्दिक अर्थ है अवरोध , ऐसा अवरोध जिसे लांघा नहीं जा सकता। पाठ में टीले शब्द का प्रयोग प्रेमचंद के जीवन में आने वाली उन कठिनाइयों के लिए किया है जो समाज के पंडित, पुरोहित, मौलवी, जमींदार आदि कथित ठेकेदारों द्वारा खड़ी की गई। इनके कारण ही समाज में ऊँच-नीच की भावना, जाति-पाँति, छुआछूत, बाल-विवाह, शोषण, बेमेल विवाह, अमीर-गरीब की भावना आदि टीले के रूप में खड़ी हो समाज की उन्नति के मार्ग को अवरुद्ध करती हैं।

20. i. कवि जेल में रहकर कोयल से बात कर रहा है क्योंकि उसकी रचनाएँ एक ओर देशवासियों में अंग्रेज़ों के प्रति विद्रोह की भावना जगा रही हैं तो दूसरी ओर वह स्वयं भी स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहा है। इस कारण अंग्रेज़ों ने उसे जेल में डाल दिया है |

ii. पराधीन भारत की जेलों में स्वाधीनता सेनानियों को चोरों, लुटेरों और डाकुओं के साथ रखा जाता था। उन्हें पेट भर खाना नहीं दिया जाता था तथा बात-बात पर गालियाँ दी जाती थीं। उन्हें हमेशा शक की दृष्टि से देखा जाता था। उनका रोना भी गुनाह होता था |

iii. कोयल की कूक में कवि संदेश होने का अनुमान इसलिए लगा रहा है क्योंकि हमेशा दिन में कूकने वाली कोयल आधी रात में करुण क्रंदन कर रही है |

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए कवयित्री ने निम्नलिखित उपाय अपनाने का सुझाव दिया है-

i. मनुष्य को न तो सांसारिक विषयों में अधिक लिप्त रहना चाहिए और न इनसे विमुख होना चाहिए। उसे माध्यम मार्ग अपनाकर अपना जीवन पूर्ण संयम से जीना चाहिए।
ii. मनुष्य को सभी प्राणियों को समान भाव से देखना चाहिए।
iii. ईश्वर प्रत्येक स्थान पर है इसलिए मनुष्य को उसकी सच्ची भक्ति करनी चाहिए।

b. कबीर द्वारा रचित पदों में ईश्वर प्राप्ति के लिए किए जाने वाले बाह्यांडबरों तथा दिखावापूर्ण भक्ति का विरोध किया गया है | उन्होंने मनुष्य से तीर्थ स्थानों में ईश्वर को खोजने के लिए किए गए प्रयासों को त्यागकर उसे अपने अन्दर खोजने की सलाह दी है | वे मनुष्य से कहते हैं कि यदि सच्चे मन, भक्ति और श्रद्धा से ईश्वर को खोजा जाए तो वे पल भर की तलाश में ही मिल जाते हैं क्योंकि उनका निवास तो प्रत्येक मनुष्य की प्रत्येक साँस में है | अतः कबीर का मानना है कि सभी तरह के दिखावे का त्याग कर सच्ची लगन और भक्ति भाव से ईश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए |

c. कवि जेल के आसपास अन्य पक्षियों का चहकना सुनता होगा पर उसने कोयल से ही बात की क्योंकि कोयल किसी ऋतु विशेष में ही अधिक चहकती है। वह प्रातःकाल और शाम के समय ही अपने मधुर गीत गाती है , इस प्रकार रात में नहीं चिल्लाती। जबकि अन्य पक्षी साल साल भर चहकते रहते हैं। इस प्रकार आधी रात में बोलकर कोयल शायद कुछ विशेष संदेश देने आई है। ब्रिटिश काल में क्रांतिकारी भी छिप-छिपकर एक-दूसरे को गुप्त संदेश द्वारा अपनी योजनाएँ बताया करते थे। कवि को कोयल और क्रांतिकारियों की कार्यप्रणाली में समानता दिखाई दी।

d. **भाव-** इस पंक्ति में कवि रसखान का श्रीकृष्ण से जुड़ी वस्तुओं के माध्यम से उनके प्रति अनन्य प्रेम प्रकट हुआ है। श्रीकृष्ण गोपियों के साथ इन करील के कुंजों की छाँव रास-लीला रचाया करते थे। कवि के लिए इन करील कुंजों का अत्यधिक महत्त्व है। वह इन कुंजों को सैकड़ों स्वर्ण-भवनों से भी ज्यादा प्रिय एवं कीमती मानता है।

e. मैं अपनी मातृभूमि से बहुत प्यार करता हूँ। मैं इसी मातृभूमि का अन्न ग्रहण कर बड़ा हुआ हूँ। इसी की पावन तथा शीतल वायु में साँस लेकर पला-बढ़ा हूँ। यहीं की पावन नदियों को जल पीकर प्यास बुझाई है। मुझे यहाँ की गौरवशाली प्राचीन संस्कृति का अंग बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं हर जन्म में यहाँ की पावन भूमि पर जन्म लेना चाहूँगा। अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार हूँ।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. कवि के लिए बच्चों का काम पर जाना चिंता का विषय इसलिए बन गया है क्योंकि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। जिस उम्र में उन्हें खेल-कूदकर अपने बचपन जीने का आनंद लेना चाहिए और स्वयं को स्वस्थ और सबल बनाना चाहिए , उस उम्र में वे काम करके अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। उन्हें तो पढ़-लिखकर योग्य नागरिक बनना चाहिए न कि काम करना चाहिए।

b. लेखिका ने भले ही अपनी नानी को न देखा था, पर अपनी माँ, पिता जी आदि से उनके बारे में सुनकर बहुत कुछ जान गई थी। लेखिका के अपनी नानी के व्यक्तित्व से प्रभावित होने के निम्नलिखित कारण थे-

i. लेखिका की नानी अपनी बेटी (लेखिका की माँ) की शादी 'आज़ादी के सिपाही' से कराना चाहती थी। इससे उनका स्वतंत्रता के लिए जुनूनी होने का पता चलता है।
ii. लेखिका की नानी को अपनी बेटी की हमेशा चिंता रहती थी। वे ममतामयी माँ थीं।
iii. उनकी नानी परदानशीं, अनपढ़, परंपरागत ढंग से रहने वाली महिला थीं, पर वे निजी जीवन में आजाद ख्यालों वाली थीं।

c. माटी वाली जिस कंटर (कनस्तर) में माटाखान से मिट्टी लाया करती थी, उसमें लगे ढक्कन को उसने ही काटकर अलग कर दिया था। इससे एक ओर जहाँ उसे मिट्टी भरने में सुविधा होती थी वहीं वह मिट्टी को सुगमता से गिरा भी देती थी। इस प्रकार ढक्कन विहीन कनस्तर उसके लिए सुविधाजनक होता था।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. 'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

b. **ई-कचरा**

ई-कचरा आधुनिक समय की एक गंभीर समस्या है। वर्तमान समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफ़ी काम हो रहा है। इसके फलस्वरूप, आज नित नए-नए उन्नत तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों का उत्पादन हो रहा है। जैसे ही बाज़ार में उन्नत तकनीक वाला उत्पाद आता है, वैसे ही पुराने यंत्र बेकार पड़ जाते हैं। इसी का नतीजा है कि आज कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टीवी, रेडियो, प्रिंटर, आई-पोड्स आदि के रूप में ई-कचरा बढ़ता जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार एक वर्ष में पूरे विश्व में लगभग 50 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न होता है। यह अत्यंत चिंता का विषय है कि ई-कचरे का निपटान उस दर से नहीं हो पा रहा है, जितनी तेज़ी से यह पैदा हो रहा है। ई-कचरे को डालने या खुले में जलाने से पर्यावरण के लिए गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों में आर्सेनिक, कोबाल्ट, मरकरी, बेरियम, लिथियम, कॉपर, क्रोम, लेड आदि हानिकारक अवयव होते हैं। इनसे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

अब समय आ गया है कि ई-कचरे के उचित निपटान और पुनः चक्रण पर ध्यान दिया जाए अन्यथा पूरी दुनिया शीघ्र ही ई-कचरे का ढेर बन जाएगी। इसके लिए विकसित देशों को आगे आना होगा और विकासशील देशों के साथ अपनी तकनीकों को साझा करना होगा, क्योंकि विकसित देशों में ही ई-कचरे का उत्पादन अधिक होता है और वे जब-तब चोरी-छिपे विकासशील देशों में उसे भेजते रहते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए पूरी दुनिया को एक होना होगा।

c. **शारीरिक शिक्षा और योग**

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला

सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। यह मन शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।

कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।

वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग की शरण ले रही है।

24. परीक्षा भवन,

नई दिल्ली।

02 मार्च, 2019

प्रिय मित्र गोविन्द,

सप्रेम नमस्ते।

कल अचानक तुम्हारे घर जाना पड़ गया। संयोग ऐसा रहा कि उससे कुछ देर पहले ही तुम्हारा पत्र घर आया था। तुम्हारी कुशलता के बारे में जानकर जहाँ खुशी हुई वहीं तुम्हारी आदतों के बारे में सुनकर दुःख भी हुआ। चाचा जी बता रहे थे कि तुमने पत्र के माध्यम से तीन हज़ार रुपये मँगवाए हैं क्योंकि तुम्हें अपने लिए नए कपड़े खरीदने हैं। तुम्हारा कहना है कि तुम्हारे कपड़े पुराने फैशन के हो गए हैं। नए कपड़ों के साथ ही तुम नए फैशन के चश्में और जूते भी खरीदना चाह रहे हो।

मित्र, अभी से इतनी फ़िज़ूलखर्ची उचित नहीं। अपनी फ़िज़ूलखर्ची की आदत के कारण ही तुम्हें अनेक बार दूसरों से पैसा उधार लेना पड़ता है। तुम्हें इस पर नियंत्रण करना चाहिए। इसी आदत के कारण तुम्हारा आहार-विहार और चरित्र बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। यदि तुम पैसों का अपव्यय करना बंद कर दो तो तुम्हारे आहार-विहार और चरित्र पर भी नियंत्रण लग जाएगा। इसलिए मेरी बात मानकर इस तरह पैसों का अपव्यय बंद करो और अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर अवश्य देना।

तुम्हारा शुभचिंतक,

गौतम

OR

परीक्षा भवन,

नई दिल्ली।

02 मार्च, 2019

प्रिय गोविन्द सिंह,

सप्रेम नमस्ते।

स्वयं सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि तुम भी छात्रावास में रहते हुए सकुशल होगे। पिछले सप्ताह तुम्हारे कक्षाध्यापक का पत्र आया था, जिसमें उन्होंने तुम्हारे द्वारा पान मसाला खाने संबंधी गंदी आदत की शिकायत की थी। इससे तुम्हारे पिता जी बहुत चिंतित दिख रहे थे।

मित्र, तुम नहीं जानते कि तुमने गंदे लड़कों की संगति करके कितनी बुरी आदत बना ली है। तुम पान मसाला जैसे मादक पदार्थ को तथाकथित सभ्यता का प्रतीक मानने लगे हो, यह कहीं से भी उचित नहीं है। ये पान मसाले खाने में भले अच्छे लगें पर इनमें मीठा ज़हर भरा होता है। तुम्हारा सच्चा मित्र होने के कारण मैं तुम्हें इस मीठे ज़हर के सेवन से रोकना चाहता हूँ। तुम ऐसे मादक पदार्थों का सेवन अविलंब बंद कर दो। अभी भी समय हैं कि तुम सही रास्ते पर आ जाओ वरना इससे पीछा छुड़ाना बहुत कठिन हो जाएगा।

तुम्हारा शुभचिंतक

गौतम

25. **मोहित** - नमस्कार!

गौरव - नमस्कार!

मोहित - क्या आप भी साक्षात्कार हेतु यहाँ आए हैं ?

गौरव -जी हाँ, और आप ?

मोहित - मैं भी साक्षात्कार के लिए ही आया हूँ। अभी तक अकेला था। सोच रहा था कि कहीं गलत दिन तो नहीं आ गया।

गौरव - नहीं, आप ठीक दिन ही आए हैं। हम जरा वक्त से कुछ ज्यादा ही जल्दी आ गए हैं। दूसरे उम्मीदवार भी आते ही होंगे।

मोहित - आप कहाँ से आए हैं?

गौरव - मैं पास में पंजाबी बाग में ही रहता हूँ। आप कहाँ से आए हैं ?

मोहित - मैं कमला नगर से आया हूँ।

गौरव - अच्छा, आपने एम०ए० कहाँ से किया है?

मोहित - हिमाचल विश्वविद्यालय से।

गौरव - फिर तो आप डॉ० हरीश अरोड़ा से भी पढ़े होंगे?

मोहित - हाँ, वे हमें नाटक पढ़ाते थे। अब मैं उनके निर्देशन में ही शोध कर रहा हूँ।

गौरव - बहुत अच्छा! नाटकों पर ही शोध कर रहे हैं।

मोहित - आपने बिलकुल ठीक पहचाना। मेरी शोध का विषय आधुनिक नाटक ही है।

गौरव - आपसे मिलकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई।

मोहित - मुझे भी।

गौरव - अरे! हमारे बीच इतनी बातें हो गई और मैंने आपका नाम तो पूछा ही नहीं।

मोहित - मेरा नाम मोहित है और आपका ?

गौरव - धन्यवाद मोहित जी! मेरा नाम गौरव है। आपसे मुलाकात अच्छी रही।

OR

आकाश - कहो मित्र, कैसे आना हुआ?

नितिन - यार, मेरी गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया है। दफ्तर जाने में देर हो रही है।

आकाश - अरे, तो चिंता की कोई बात नहीं। हमारा दफ़्तर तुम्हारे दफ़्तर के पास ही तो है। मेरे साथ चलो।

नितिन - यार, मैं बहुत दिनों से एक बात कहने की सोच रहा था।

आकाश - हाँ, बोलो तो आपस में झिझक कैसी?

नितिन - मैं सोच रहा था कि क्यों न हम एक साथ एक ही गाड़ी में जाएँ।

आकाश - अरे, तुमने तो मेरे मुँह की बात छीन ली? मैं तो यही सोच रहा था?

नितिन - हमारे दफ़्तर में आए दिन यही चर्चा हो रही है कि प्रदूषण की समस्या से कैसे निपटा जाए?

आकाश - लंच टाइम में हमारे दफ़्तर में भी रोज का यही किस्सा है।

नितिन - बढ़ते प्रदूषण से हम अपनी आनेवाली पीढ़ी को प्रदूषण मुक्त स्वच्छ वातावरण देने में कैसे सफल हो सकते हैं?

आकाश - बात तो तुम सही कह रहे हो?

नितिन - अगर सभी लोग इसी तरह कारें या मेट्रो का उपयोग कर कम वाहन प्रयोग करें तो हम कुछ मात्रा में तो प्रदूषण कम कर सकते हैं।

आकाश - तो फिर तय रहा। इस सप्ताह गाड़ी मैं ले जाऊँगा। अगले सप्ताह तुम्हारी बारी।

नितिन - बहुत-बहुत धन्यवाद! तुमने मेरी बात स्वीकार कर ली।

26. **नारी का संघर्ष**

मैं एक स्त्री हूँ। मेरा नाम कोई मायने नहीं रखता है। आज मैं आपको अपने संघर्ष की कथा सुनाना चाहती हूँ, जो कि एक माता के गर्भ से आरंभ हो जाता है और जीवनपर्यन्त चलता है। जन्म से पहले ही हम में से कइयों को गर्भ में ही मार दिया जाता है। लेकिन मेरा जन्म हुआ। उसके बाद जब मैं बड़ी हुई तो मैंने ध्यान दिया कि समाज में लड़कों के लिए कुछ अलग नियम हैं और लड़कियों के लिए कुछ और नियम।

फिर मेरा जीवन आगे बढ़ा, मैंने सोचा कि अब सारी कठिनाइयों का अंत हो जाएगा। लेकिन नहीं, कुछ बड़ी होने पर समाज के कुछ तथाकथित मर्दों ने मेरा शोषण करना चाहा, मैंने मदद की गुहार की लेकिन कोई नहीं आया और मेरा पूरा जीवन इसी तरह के अनेक शोषणों के खिलाफ संघर्ष में बीत गया।

अंततः मैं एक बात समझ गई कि इस देश में सिर्फ पत्थर की देवियों की पूजा होती है और जो जीवित हैं उनका तो सम्मान भी नहीं होता है।

OR

यदि मैं पुस्तक होती

गरिमा को स्कूल में सभी पढ़ाकू कहते और उसका मजाक उड़ाते, उसका हाथ कभी भी पुस्तक से खाली नहीं होता कक्षा में, घर में, बस में हमेशा कोई न कोई पुस्तक उसके हाथ में जरूर होती सारांश यह कि पुस्तक ही उसकी सबसे अच्छी दोस्त थी।

दफ्तर से लौटे हुए उसके पिताजी ने बताया कि प्रगति मैदान में पुस्तक मेला लगा है और वे उसे कल वहाँ ले जायेंगे। गरिमा के मन में खुशी के लड्डू फूट रहे थे।

दूसरे दिन मेले से घूमकर लौटते हुए गरिमा सोच रही थी कि यदि मैं पुस्तक होती तो कितना मजा आता उसमें तरह-तरह की ज्ञान-विज्ञान की बातें होती, लोग चाव से पुस्तकें खरीदते अपनी अलमारी में सजाते और मजे लेकर पढ़ते। शायद ही ऐसा कोई विषय हो जिनको इन पुस्तकों ने स्थान न दिया हो, पौराणिक काल से लेकर आज तक कुछ भी इन पुस्तकों से अछूता नहीं रहा किंतु आज उनका स्वरूप बदल गया है आज हम चुटकी बजाते ही मोबाइल, कम्प्यूटर पर अपनी मनपसंद पुस्तकें चुनकर पढ़ लेते हैं। तभी घर आ गया उसके हाथ में पुस्तक मेले से चुन-चुनकर खरीदी गई पुस्तकों से भरा बड़ा-सा थैला था और उसे अपने कमरे में उन्हें रखने के लिए जगह बनानी थी।